उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम
प्रैस नोट
चंडीगढ़, 28 सितंबर- प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली सुविधा उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के मुख्यालय में हाई पॉवर्ड परचेज कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री शत्रुजीत कपूर की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में बिजली की व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न योजनाआंे के अन्तर्गत 58 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाएं शुरू करने का निर्णय लिया गया।

यह जानकारी देते हुए निगम के प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना के तहत निगम में 32.08 करोड़ रुपए की लागत से 8 नए 33 के.वी. सब-स्टेशन बनाए जाएंगे। उन्होंने आगे बताया कि करनाल, पानीपत, सोनीपत और रोहतक जिले के गांव बल पवाना, बल जट्टां, जुआन, दीवाना, भैयानपुर, मोखरा, रिसालु और मोई में नए 33 के.वी. सब-स्टेशनों का निर्माण किया जाएगा। जिससे आस-पास के सभी क्षेत्रों के उपभोक्ता लाभान्वित हांेगे।

इसी योजना के तहत पंचकूला और सोनीपत जिले में 7.68 करोड़ रुपए की लागत से 11 के.वी. लाईनों की क्षमता में वृद्धि की जाएगी और ट्रांसफार्मर, कंडक्टर बदलने के साथ-साथ ए.बी. केबल भी लगाई जाएगी।

उन्होंने आगे बताया कि इंटीग्रेटेड पॉवर डिवेल्मेंट योजना के तहत 18.24 करोड़ रुपए की लागत से अम्बाला, झज्जर, कैथल और पानीपत जिले में नई 11 के.वी. एल.टी. और एच.टी. लाईनें बिछाई जाएंगी और मौजूदा लाईनों की क्षमता में वृद्धि की जाएगी। इसके साथ ही, खराब मीटर बदले जाएंगे और नई ए.बी. केबल लगाकर मीटरों का स्थानांतरण भी किया जाएगा।

इसी योजना के अन्तर्गत 67.37 लाख रुपए की लागत से विभाग की चार ईमारतों पर सोलर पॉवर प्लांट लगाए जाएंगे। जिसमें पिंजौर स्थित एचवीपीएनएल रैस्ट हाऊस पर 60 किलोवॉट की उत्पादन क्षमता के साथ सोलर पॉवर प्लांट लगाया जाएगा। वहीं, कैथल जिले में स्थित एसडीओ कलायत के कार्यालय पर 20 किलोवॉट उत्पादन क्षमता, एसडीओ पुण्डरी के कार्यालय पर 15 किलोवॉट उत्पादन क्षमता और 33 के.वी. सब-स्टेशन पुण्डरी पर 20 किलोवॉट उत्पादन क्षमता के साथ सोलर पॉवर प्लांट लगाए जाएंगे। इन सभी परियोजनाओं का कार्य करने के लिए विभिन्न कंपनियों को टर्न-की के आधार पर अनुबंधित किया गया है। उन्होंने बताया कि इन सभी क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को अब लो वोल्टेज़ जैसी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा तथा बिजली सप्लाई की विश्वसनीयता एवं निरंतरता में सुधार होगा। प्रदेश में वर्तमान मांग को देखते हुए पर्याप्त बिजली उपलब्ध है और उपभोक्ताओं को अधिक समय के लिए बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है। निगम अपने उपभोक्ताओं को पर्याप्त एवं गुणात्मक बिजली उपलब्ध करवाने के लिए वचनबद्ध है।